

कार्यालय- स्टेट लेवल नोडल एजेन्सी
समेकित जल संग्रहण प्रबन्धन परियोजना
परती भूमि विकास विभाग
एल्लिको कारपोरेट टॉवर, प्लाट नं० टीसी-13/बी 16 अष्टम तल (पूर्वी हिस्सा)
पॉवर हाउस क्रॉसिंग, विभूतिखण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ

पत्रांक- 265 / एस.एल.डी.सी./मनरेगा- कन्वर्जेन्स /2015-16

दिनांक 22 अप्रैल 2015

समस्त उप निदेशक/भूमि संरक्षण अधिकारी
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग
उत्तर प्रदेश।

विषय- मनरेगा कन्वर्जेन्स (वनीकरण) हेतु समेकित जल संग्रहण प्रबन्धन परियोजना में मॉडल प्रोजेक्ट का चयन एवं विकास के सम्बन्ध में।


अवगत कराना है कि आगामी वित्तीय वर्ष में ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्गत दिशा निर्देश के क्रम में प्रत्येक जनपद में मनरेगा योजनान्तर्गत कुल श्रम बजट का कम से कम 60 प्रतिशत भाग कृषि एवं सम्बन्धित गतिविधियों पर व्यय किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। ऐसी स्थिति में मनरेगा एवं समेकित जल संग्रहण प्रबन्धन परियोजना में निर्धारित संसाधनों से कन्वर्जेन्स के अन्तर्गत बेहतर परिसम्पतियों के सृजन की कार्यवाही किया जाना आवश्यक है इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु निम्न प्रकार कार्यवाही किया जाना अपेक्षित है।

1. वर्ष 2009-10 एवं 2010-11 में स्वीकृत परियोजनाओं में से प्रत्येक जनपद में एक परियोजना को मॉडल के रूप में विकसित किये जाने हेतु चयनित किया जाये यदि सम्बन्धित जनपद में वर्ष 2009-10 एवं 2010-11 की कोई परियोजना संचालित नहीं है तो आगामी वर्ष की उपयुक्त परियोजना का चयन किये जाने पर विचार किया जा सकता है।
2. चयनित परियोजनाओं के क्षेत्र में पर्याप्त एरिया वाले दो स्थलों का चयन वनीकरण हेतु किया जायेगा चयनित स्थल मनरेगा गाइड लाइन के अनुरूप प्राईवेट/सरकारी कोई भी हो सकते हैं। जिस स्थल पर मनरेगा फण्ड से वनीकरण होगा उस स्थल पर समेकित जल संग्रहण प्रबन्धन परियोजना के फण्ड से वृक्षारोपण अथवा वनीकरण का कार्य नहीं किया जायेगा, चयनित मॉडल प्रोजेक्ट के एक्शन प्लान में लगाए जाने वाले मैप में मनरेगा से किये जाने वाले वनीकरण को पृथक रंग से इंगित किया जायेगा।
3. वनीकरण हेतु चयनित स्थल की बाऊन्ड्री कटीले पौधों से तैयार की जायेगी। कटीले पौधों से तैयार बाऊन्ड्री अवरोधक का कार्य करेगी जिससे मनुष्य या जानवरों से पौधों का अनावश्यक क्षति ना पहुँचाई जा सके। कटीली बाऊन्ड्री के अन्दर विभिन्न लेयर में कमशः कम महत्व से अधिक महत्व के पौधों का रोपण किया जायेगा, सुरक्षा हित में बाऊन्ड्री के अन्दर कटीली घास यथासंभव पशुओं के चारे में भी प्रयुक्त हो सकने योग्य लगाया जाना उचित होगा।
4. वनीकरण हेतु उत्पादकता बढ़ाने अर्थात् फल वाले पेड़ों के पौध का रोपण किया जायेगा तथा उन रोपित पौधों का आवंटन सम्बन्धित ग्राम या ग्रामों के परिवारों के मध्य इस प्रकार किया जायेगा की चयनित प्रत्येक परिवार को समानुपातिक लाभ भविष्य में प्राप्त हो सके, लाभ के रूप में मात्र फलों को प्राप्त करने का हक होगा। पेड़ों की लकड़ी के उपभोग से सम्बन्धित परिवार वंचित रहेंगे। ग्राम के जिस परिवार को

सम्बन्धित परिवार को आंवटित पौधों के पोषण एवं सुरक्षा की भी जिम्मेदारी होगी।

5. वनीकरण हेतु रोपित पौधों की सुरक्षा का मुख्य दायित्व वाटरशेड कमेटी का होगा जिसमें सचिव की सक्रिय भूमिका होगी। वाटरशेड कमेटी साप्ताहिक आख्या तैयार करेगी, जिसमें पौधों की गणना एवं स्थिति का विवरण होगा तथा रोपित पौधों की पाक्षिक स्टेट्स रिपोर्ट प्रोजेक्ट एम्प्लीमेन्टेशन एजेन्सी अर्थात पी.आई.ए. द्वारा स्टेट लेवल नोडल एजेन्सी को भेजी जायेगी तथा जिले स्तर पर वाटर शेड सेल कम डाटा सेण्टर के एक अधिकारी द्वारा वनीकरण क्षेत्र का पाक्षिक भ्रमण कर रोपित पौधों के जीवित रहने की निगरानी की जायेगी तथा सम्बन्धित अधिकारी द्वारा अपनी भ्रमण रिपोर्ट में प्रत्येक पौधों के सम्बन्ध में आख्या दी जायेगी। पोषण के अभाव में अथवा उचित देखभाल ना होने के कारण यदि कोई पौधा मरता है तो उसकी कारण सहित विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर एस.एल.एन.ए. को 15 दिन के अन्दर प्रेषित की जायेगी जिससे दोषी अधिकारी/कर्मचारी की जिम्मेदारी निर्धारित की जा सके। इसके अतिरिक्त किसी भी पौधे के नष्ट होने की रिपोर्ट ई-मेल एवं दूरभाष से एस.एल.एन.ए. को तत्काल भी प्रेषित की जायेगी।


अतः निर्देशित किया जाता है कि मॉडल परियोजना में चयनित क्षेत्र का एक्शन प्लान, (shp file) फोटोग्राफ जी.आई.एस कोआर्डिनेट के साथ, एक सप्ताह के अन्दर तैयार कर भिजवाना सुनिश्चित करें।


(आञ्जनेय कुमार सिंह)
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

पत्रांक- 265 / एस.एल.डी.सी./मनरेगा- कन्वर्जेंन्स /2015-16 तददिनांक 22-04-15

प्रतिलिपि :- सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवही हेतु प्रेषित

1. अध्यक्ष एवं प्रशासक शारदा सहायक समादेश क्षेत्र विकास एवं जल प्रबन्धन परियोजना, 23 सी, गोखलेमार्ग, लखनऊ ।
2. अध्यक्ष एवं प्रशासक रामगंगा कमाण्ड परियोजना, पाण्डुनगर कानपुर ।
3. अपर आयुक्त, मनरेगा ग्राम्य विकास, उ0प्र0 लखनऊ ।
4. सचिव, परती भूमि विकास विभाग, उ0 प्र0 शासन लखनऊ ।


(आञ्जनेय कुमार सिंह)
मुख्य कार्यकारी अधिकारी